

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष : एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण कमांक 192-दो/2005 - विरुद्ध आदेश दिनांक
30-12-2005 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना - प्रकरण
कमांक 94/2002-03 अपील

महिला प्रेमा देवी पत्नि स्व० रामरतन ठाकुर

ग्राम महुआ तहसील पोरसा जिला मुरैना

—आवेदक

विरुद्ध

1- गोतम सिंह 2- महवीर सिंह

3- उदल सिंह 4- बीर सिंह

सभी पुत्रगण स्व०कोक सिंह निवासी ग्राम

महुआ तहसील पोरसा जिला मुरैना

— अनावेदकगण

(आवेदक के अभिभाषक श्री एस०पी०धाकड़)

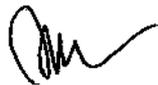
(अनावेदकगण के अभिभाषक श्री एस०के०शर्मा)

आ दे श

(आज दिनांक ५-7-2016 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण कमांक
94/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 30-12-2005 के विरुद्ध
म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि आवेदक ने तहसीलदार पोरसा को
आवेदन देकर बताया कि ग्राम पालि स्थित भूमि सर्वे नंबर 581 रकबा 0.43 है

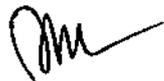


R
MPC

पर वह काविज है एवं सर्वे क्रमांक 582 रकबा 0.42 पर स्व० कोक सिंह काविज है किन्तु बंदोवस्त के दौरान इन भूमियों के सर्वे नंबर बदल दिये गये हैं इसलिये अभिलेख में दुरुस्ती की जाय। तहसीलदार पोरसा ने प्रकरण क्रमांक 78/2000-01 पंजीबद्ध किया तथा जांच उपरांत आदेश दिनांक 23-10-2001 पारित करके आवेदक की माँग अनुसार सर्वे नंबर पुनरांकित कर दिये। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी अम्वाह के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 8/2001-02 में पारित आदेश दिनांक 7-11-2002 से अपील स्वीकार की गई तथा तहसीलदार का आदेश दिनांक 23-10-01 निरस्त किया गया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 94/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 30-12-2005 से अपील अस्वीकार की गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ निगरानी मेमो में अंकित आधारों पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि मृतक रामरतन ठाकुर एवं मृतक कोक सिंह के बीच पूर्व में आदेश दिनांक 13-3-1993 से सहमति बटवारा हुआ है इसी बटवारे में सहमति के आधार पर सर्वे नंबर 582 कोक सिंह को एवं सर्वे नंबर 581 रामरतन को दिया है। इस बटवारे की स्वीकारोक्ति स्वरूप दोनों पक्षकारों के बटवारा पंजी पर हस्ताक्षर भी है, जिसके कारण तहसीलदार द्वारा संहिता की धारा 89 के अंतर्गत दोषपूर्ण कार्यवाही करना पाये जाने से अनुविभागीय अधिकारी अम्वाह ने प्रकरण क्रमांक 8/2001-02 अपील में पारित आदेश दिनांक 7-11-2002 से तहसीलदार पोरसा के आदेश दिनांक 23-10-2001 को निरस्त किया है और इन्हीं कारणों से विद्वान अपर आयुक्त,





चम्बल संभाग, मुरैना ने प्रकरण क्रमांक 94/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 30-12-2005 में अनुविभागीय अधिकारी के आदेश को हस्तक्षेप योग्य नहीं माना है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 94/2002-03 अपील में पारित आदेश दिनांक 30-12-2005 विधिवत् होने से हस्तक्षेप योग्य नहीं है। अतः निगरानी अस्वीकार की जाती है।

P
JSC



(एम०के०सिंह)

सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर